

संक्षिप्त समाचार

ओप्पो इंडिया ने नई ओप्पो फाईंड एक्स10 सीरीज के साथ प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स का स्तर ऊंचा किया

नई दिल्ली: ओप्पो इंडिया ने अपनी नई ओप्पो फाईंड एक्स10 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें ओप्पो फाईंड एक्स10 और ओप्पो फाईंड एक्स10 प्रो मैक्स शामिल हैं। इसके साथ ही ओप्पो की इनोवेटिव और प्रीमियम फ्लैगशिप फाईंड एक्स सीरीज की 10वीं पीढ़ी की शुरुआत हो गई है। प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव का एक नया पैमाना तय करने के लिए तैयार की गई फाईंड एक्स10 सीरीज में शानदार टर्न-टू-लाइफ़मैजिंग, बेमिसाल परफॉर्मेंस, जबरदस्त बैटरी बैकअप और आकर्षक रिफाईंड डिजाइन का मेल है। इसके साथ ही, नया कलरओएस 17 यूजर्स को एक बेहतरीन और स्मूथ सॉफ़्टवेयर अनुभव प्रदान करता है। ओप्पो ने अपने फ्लैगशिप कनेक्टेड इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए ओप्पो एन्को एक्स4 और ओप्पो पैड मिनी भी पेश किए हैं, ताकि यूजर्स बिना किसी रुकावट के एक ही प्लो में तस्वीरें ले सकें, कंटेंट बना सकें और शेयर कर सकें। कुल मिलाकर, यह पूरा फ्लैगशिप पोर्टफोलियो रोज़मर्रा के अनुभव को और बेहतर बनाता है, जिससे हर एक शॉट, एडिट और शेयर बिल्कुल वास्तविक और उस पल के करीब महसूस होता है। ओप्पो फाईंड एक्स 10 सीरीज में ऐसा कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसे वास्तविक जीवन में दिखाई देने वाले दृश्यों के और करीब तस्वीरें लेने के लिए तैयार किया गया है। फाईंड एक्स 10 में डुअल 200 एमपी कैमरा सिस्टम दिया गया है। जबकि ओप्पो फाईंड एक्स 10 प्रो मैक्स में क्रांतिकारी ट्रिपल 200 एमपी कैमरा सिस्टम पेश किया गया है। इसमें पीछे दिए गए तीनों कैमरों में 200 एमपी का रिजॉल्यूशन मिलता है। हैसलब्लैंड के साथ मिलकर विकसित किए गए इस कैमरा सिस्टम में नया ल्यूमो टर्न इमेज इंजन और दूसरी पीढ़ी का टर्न कलर कैमरा दिया गया है, जो तस्वीरों में प्राकृतिक रंग, टोन और बारीकियों को बेहतर तरीके से पेश करता है। वहीं, ल्यूमो कलर पैलेट की मदद से यूजर्स इन प्राकृतिक रंगों के आधार पर अपनी पसंद की अलग स्टाइल तैयार कर सकते हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए भी इसमें सिनेमाई स्तर के फीचर्स दिए गए हैं।

एचडीएफसी बैंक ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए नया फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन प्रोडक्ट लॉन्च किया

मुंबई: भारत के प्राइवेट सेक्टर के बड़े बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपनी तरह का पहला फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन लॉन्च किया है। यह इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) की खरीद को फ़ंडेंस करने के लिए एक नया ऑटो लोन प्रोडक्ट है। फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन, ईवी गाड़ी की बांडी और बैटरी के लिए अलग-अलग लोन देगा। बैटरी लोन को लंबे समय में चुकाया जा सकता है। इससे ईएमआई आउटप्लो को कस्टमाइज़ करने की फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी। यह लोन अब देश भर में बैंक की 9700 से ज्यादा ब्रांच में लाइव है। ईवीज का मौजूदा कॉस्ट स्ट्रक्चर, इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) गाड़ियों की तुलना में गाड़ियों को खरीदने की कॉस्ट को ज्यादा बनाता है, क्योंकि बैटरी इलेक्ट्रिक गाड़ी का सबसे महंगा हिस्सा होती है। बैटरी के लिए ईएमआई का हिस्सा आईसीई गाड़ी की रनिंग कॉस्ट के बराबर होगा। यह तरीका बदलते बैटरी सब्सक्रिप्शन मॉडल से भी मेल खाता है, जो ईवी ओनरशिप को ज्यादा आसान और कॉस्ट-इफ़ेक्टिव बना रहे हैं।

खड़गे की कथित टिप्पणी के विरोध में भाजयुमो ने किया पुतला दहन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पटना में आयोजित सभा के दौरान की गई कथित टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिला गरियाबंद ने प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जिला मुख्यालय स्थित तिरंगा चौक पर एकत्रित हुए और खड़गे के कथित बयान के खिलाफ नाराजगी जताते हुए उनका पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक संवाद में मर्यादा और संयम बनाए रखने की मांग की।

राजनीतिक विरोध में भाषा की मर्यादा जरूरी प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है। विपक्ष को सरकार की नीतियों और निर्णयों पर सवाल उठाने का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक विरोध के दौरान किसी व्यक्ति के निजी जीवन और परिवार को निशाना बनाने वाली टिप्पणियों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं से जिम्मेदार और संयमित भाषा



की अपेक्षा की जाती है, क्योंकि उनके वक्तव्यों का प्रभाव राजनीतिक वातावरण और समाज पर भी पड़ता है।

भाजपा नेताओं ने जताई आपत्ति- भाजपा जिला महामंत्री आशीष शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सार्वजनिक मंचों से दिए

जाने वाले बयानों में गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सीमित करने के बजाय जनहित के मुद्दों पर स्वस्थ बहस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जिला कोषाध्यक्ष अजय रोहरा ने भी कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि सार्वजनिक मंचों पर शब्दों का चयन सोच-समझकर किया

जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व राजनीतिक परिस्थितियों और जनधार में आ रही गिरावट को लेकर असहज है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों और कार्यों के आधार पर जनता का समर्थन हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। रोजगार, विकास, जनसमस्याओं और देशहित से जुड़े विषयों पर चर्चा ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है।

व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचने की अपील- भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक साहू ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि वैचारिक मतभेद और आरोप-प्रत्यारोप लोकतंत्र का हिस्सा हैं। विपक्ष को सरकार की नीतियों का विरोध करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन विरोध के दौरान भाषा की मर्यादा बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के निजी जीवन अथवा परिवार को लेकर टिप्पणी करना उचित नहीं है।

दीपक साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गई कथित टिप्पणी से कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से सार्वजनिक मंचों पर

जिम्मेदारीपूर्वक बयान देने और राजनीतिक बहस को नीतियों, विकास तथा जनहित के मुद्दों तक सीमित रखने की अपेक्षा जताई।

तिरंगा चौक पर जुटे कार्यकर्ता- कांग्रेस अध्यक्ष के कथित बयान के विरोध में आयोजित प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने तिरंगा चौक पर पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों को एक-दूसरे की विचारधारा और नीतियों का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन संवाद में शालीनता बनाए रखना भी आवश्यक है।

प्रदर्शन में गरियाबंद मंडल अध्यक्ष सुमित पारख सहित राधेश्याम सोनवानी, संजय सोनकर, गौतम शर्मा, शीतल सिंह, मोहनिस ठाकुर, आकाश सिंह राजपूत, ओंकार साहू, बादल साहू, रवि साहू, आयुष तिवारी, सोमेश्वर साहू, सूरज सिंह, मयंक सोनी, सोनू यादव, लालजी साहू, श्रेयांश शर्मा, हर्ष देवांगन, पीयूष सिंह, देवेश भट्टैलुकार, लोकेश सिन्हा, सूरज बीसी, प्रखर राजपूत और सजेंव राव सहित युवा मोर्चा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास के अगले दौर में एमवे इंडिया ने बढ़ाया स्टोर्स का दायरा, डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहकों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली: सेहत और तंदुरुस्ती के क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में शामिल एमवे इंडिया ने आज देश के प्रमुख बाजारों में अपने स्टोर्स का दायरा बढ़ाने का एलान किया। यह कदम भारत में कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति का हिस्सा है और इससे बाजार में उसकी पकड़ और मजबूत होगी। विस्तार के इस नए दौर की शुरुआत एमवे के प्रेसिडेंट और सीईओ माइकल नेल्सन ने की। अपने आधिकारिक दौरे पर गुरुग्राम पहुंचे नेल्सन ने आज वहां एमवे के नए स्टोर का उद्घाटन किया। उन्होंने पिछले साल 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी, जिसका एक हिस्सा कंपनी के स्टोर्स बढ़ाने पर खर्च होना था। यह विस्तार उसी घोषणा की अगली कड़ी है। इस मौके पर एमवे के प्रेसिडेंट और सीईओ माइकल नेल्सन ने कहा, "एमवे की वैश्विक विकास यात्रा में भारत की अहम भूमिका है। यहां हमें सबसे ज्यादा उत्साहित करती है भारतीय उपभोक्ता की तेजी से बदलती सोच। आज लोग सेहत और तंदुरुस्ती के लिए ऐसे समाधान ढूंढ रहे हैं, जिन पर भरोसा किया जा सके और जिनके पीछे विज्ञान हो। वे चाहते हैं कि ब्रांड उनकी अपनी जरूरतों को समझे और उनसे जुड़ा आसान हो। हमारा उद्देश्य ऐसे आधुनिक केंद्र बनाना है, जहां लोग आकर खुद उत्पादों को देख-परख सकें और हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स ग्राहकों की इन बदलती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सकें। इन सेंटर्स में लोग नए उत्पादों के बारे में जानते हैं, खुलकर बात करते हैं और एक समुदाय से जुड़ते हैं। इससे डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहकों के रिस्ते गहरे होते हैं और ग्राहकों को भी ज्यादा फ़ायदा मिलता है। गुरुग्राम में एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन भारत



में एमवे के सफ़र का एक अहम पड़ाव है। यह दिखाता है कि आने वाले लंबे समय के लिए हमें इस बाजार पर पूरा भरोसा है। हम अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को वे सभी मंच, साधन और अनुभव देना चाहते हैं, जिनकी मदद से वे अपना कारोबार शुरू कर सकें और उसे आगे बढ़ा सकें। सेहत और तंदुरुस्ती से जुड़े उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में एमवे उद्यमिता को बढ़ावा देने, ग्राहकों का अनुभव बेहतर बनाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को बेहतर ज़िंदगी जीने में मदद करने के अपने वादे पर कायम है।"

एमवे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर रजनीश चोपड़ा ने कहा, "भारत में ग्राहकों और डिस्ट्रीब्यूटर्स का अनुभव बेहतर बनाने में हमारे स्टोर्स की बड़ी भूमिका है। ये स्टोर आम दुकानों से अलग हैं। हमने इन्हें एोजमेंट हब के रूप में तैयार किया है, जहां ग्राहक सीधे एमवे को करीब से जान सकें और हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स को अपने ग्राहकों से जुड़ने और समुदाय बनाने का मजबूत मंच मिले। पिछले एक साल में हमने कई जगहों पर अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। कहीं नए स्टोर खोले हैं, तो कहीं पुराने स्टोर्स को अपग्रेड करके एोजमेंट हब बनाया है। आने वाले सालों में हम देशभर में और विस्तार करेंगे। यह भारत के साथ हमारे लंबे जुड़ाव और विकसित भारत के सपने में हमारे योगदान का भी अहम हिस्सा है। इसी ज़रिये हम लोगों को सेहतमंद बनाने, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और विश्वस्तरीय उत्पाद ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में हाथ बंटा रहे हैं।"

इस समय देशभर में एमवे इंडिया के 85 से ज्यादा स्टोर हैं। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्टोर्स का कायाकल्प करने के काम में तेजी लाई है। प्रमुख बाजारों में 14 से ज्यादा स्टोर या तो नए खोले गए हैं या उन्हें नया रूप दिया गया है। इनमें पुणे, कोलकाता, सिलीगुड़ी, इम्फ़ल, भागलपुर, आनंद, अहमदाबाद, बोंगाईर, आगरा और नांदेड़ जैसे शहर शामिल हैं। इससे पता चलता है कि कंपनी मेट्रो शहरों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 बाजारों पर भी बराबर ध्यान दे रही है। आगे की राह भी साफ़ है। अगले 3 से 4 साल में कंपनी कई और स्टोर खोलेगी या मौजूदा स्टोर्स को नया रूप देगी।

अपराधियों पर नकेल कसने पुलिस की बड़ी पहल, गांव-गांव पहुंची जन चौपाल!

गरियाबंद पुलिस ने ग्रामीणों और व्यापारियों को किया जागरूक, एक्टजड़ कैमरे लगाने की अपील

गरियाबंद (विश्व परिवार)। अपराधों पर अंकुश लगाने, ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा का मजबूत माहौल तैयार करने और पुलिस-जनता के बीच विश्वास की डोर मजबूत करने के लिए गरियाबंद पुलिस ने जन चौपाल के जरिए एक अहम पहल की है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित जन चौपाल में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारी संघों से सीधे संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। इस दौरान साइबर अपराध, उछाईगिरी, धोखाधड़ी और घेरलू हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों पर लोगों को जागरूक किया गया।

जन चौपाल के दौरान थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों तथा व्यापारियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। अधिकारियों ने आम नागरिकों को अपराधों से बचाव के उपाय बताए और समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ अपराधों की रोकथाम में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। जन चौपाल में आधुनिक तकनीक के जरिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे अपराधों की रोकथाम और घटनाओं की विवेचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैमरों की मदद से सदिध गतिविधियों पर नजर रखने में साथ किसी घटना के बाद आरोपियों की पहचान करने में भी पुलिस को सहायता मिल सकती है। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में



व्यापारी संघों और जागरूक ग्रामीणों से अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, प्रमुख चौक-चौराहों और रहिगृही इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनसहयोग और तकनीक का बेहतर इस्तेमाल जिले की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभाव बनाने में मददगार साबित हो सकता है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने जिलेवासियों से अपील की कि सुरक्षित समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने व्यापारी वर्ग और ग्रामीणों से अपने परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा किसी भी सदिध गतिविधि की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जन सुरक्षा केवल

‘वोट बचाओड़्देश बचाओ’ अभियान को लेकर कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस, चुनावी पारदर्शिता पर उठाए सवाल

मतदाता सूची की कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच, एसआईआर पर रोक और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। देश में मतदाता सूची की पारदर्शिता, मताधिकार की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर कांग्रेस ने ‘वोट बचाओड़्देश बचाओ’ अभियान के तहत केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया, दोहरे पंजीकरण तथा चुनाव संबंधी आंकड़ों की पारदर्शिता को लेकर कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए इन मामलों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच की मांग की है।

सोमवार, 26 अक्टूबर को जिला कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता

में एआईसीसी ऑब्जर्वर एवं महाराष्ट्र की सांसद शोभा बच्छव, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के गरियाबंद जिला प्रभारी विनोद चंद्राकर, जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा तथा विन्दानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव उपस्थित रहे।

पत्रकार वार्ता में शोभा बच्छव ने कहा कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा केवल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक पात्र नागरिक के संवैधानिक मताधिकार और निष्पक्ष चुनाव से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने मतदाता सूची में किए जाने वाले बदलावों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि राजनीतिक दलों और आम नागरिकों को आंकड़ों का स्वतंत्र रूप से सत्यापन करने का अवसर मिल सके।

महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा की मतदाता सूचियों पर उठाए सवाल



कांग्रेस ने महाराष्ट्र, कर्नाटक के महादेवपुरा और आलंद विधानसभा क्षेत्रों तथा हरियाणा की मतदाता सूचियों से संबंधित कथित अनियमितताओं का हवाला देते हुए पारदर्शी जांच की मांग की। पार्टी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाताओं की संख्या में लगभग 39 लाख की वृद्धि को लेकर सवाल उठाए थे। वहीं, महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कथित अनियमितताओं के कारण

1,00,250 वोट प्रभावित होने का दावा भी किया गया था। कांग्रेस का कहना है कि इन आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए मूल आंकड़े, मतदाता पंजीकरण से संबंधित रिकॉर्ड और नाम जोड़ने तथा हटाने की प्रक्रिया का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। पार्टी ने इन दावों की स्वतंत्र पृष्टि और निष्पक्ष जांच पर भी जोर दिया।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता की मांग- कांग्रेस ने

निर्वाचन आयोग की निर्णय प्रक्रिया और कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी ने चुनाव आयुक्तों की कथित आपत्तियों और मतदाता सूची से जुड़े फैसलों के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने सामने आए मतभेदों को संस्थागत कार्यप्रणाली ठप होने का प्रमाण मानने से इनकार किया है। आयोग की ओर से कहा गया है कि एसआईआर से जुड़े फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। कांग्रेस का कहना है कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए उसकी कार्यप्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया तथा चुनाव आयुक्तों को दिए गए कानूनी संरक्षण की समीक्षा की मांग भी उठाई।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की मांग- कांग्रेस कार्यसमिति के रुख के आधार

पर पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर प्रक्रिया स्थगित करने और मतदाता सूची से हटाए गए कथित 13.3 करोड़ नामों को बहाल करने की मांग की है। इसके साथ ही मतदाता सूची में सामने आई गंभीर विसंगतियों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने पर जोर दिया गया। पार्टी ने कहा कि किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाए जाने पर उसे इसकी स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। संबंधित व्यक्ति को निर्णय को चुनौती देने और अपना नाम दोबारा जोड़वाने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। कांग्रेस ने मतदाता संबंधी आंकड़ों को डिजिटल और उपयोगी प्रारूप में उपलब्ध कराने की मांग भी की, जिससे उनका सत्यापन आसान हो सके।

देशव्यापी अभियान के जरिए जनता तक पहुंचेगी कांग्रेस- ‘वोट बचाओड़्देश बचाओ’ अभियान के

तहत कांग्रेस जिला और राज्य स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस, बूथ स्तर पर मतदाता सूची का सत्यापन, गांवों में चौपाल और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करेगी। पार्टी के अनुसार, अभियान का उद्देश्य मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों का दस्तावेजीकरण करना है।

कांग्रेस ने स्थानीय इकाइयों को मतदाता सूची से नाम हटाए जाने, रिकॉर्ड में विसंगतियों और नाम सुधारने में आ रही कठिनाइयों से जुड़े मामलों का दस्तावेजीकरण एवं सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं।

पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची की शुद्धता, स्वतंत्र जांच, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने से ही चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास मजबूत किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से ‘वोट बचाओड़्देश बचाओ’ अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा।

बस्तर के किसानों एवं ग्रामीणों की आय संवृद्धि के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग जरूरी: सिद्धार्थ कोमल परदेशी

■ कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के समन्वय से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर संभाग में किसानों एवं ग्रामीणों की आय में वृद्धि करने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना आवश्यक है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने जगदलपुर में संभाग स्तरीय खरीफ समीक्षा एवं रबी 2026 की तैयारी बैठक में कहा कि बस्तर में कृषि के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, कुक्कुटपालन और अन्य आजीविका गतिविधियों को जोड़कर किसानों की आय के विविध स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण परिवारों को वर्षभर रोजगार और आमदनी के अवसर मिलेंगे तथा खेती पर मौसम और बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर की भौगोलिक परिस्थितियों, प्राकृतिक संसाधनों और



स्थानीय कृषि पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं तैयार की जानी चाहिए, जिनसे किसानों को कम लागत में अधिक लाभ मिल सके। एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कृषि भूमि, जल संसाधन और कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग करते हुए उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

कृषि के साथ पशुपालन और मत्स्यपालन को मिले बढ़ावा

कृषि उत्पादन आयुक्त ने एकीकृत कृषि प्रणाली की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि किसान केवल पारंपरिक फसलों पर निर्भर रहने के बजाय खेती के साथ पशुपालन, मत्स्यपालन, सब्जी उत्पादन,

फल एवं अन्य उद्यानिकी फसलों को भी अपनाएं। खेतों के आसपास उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों का चयन करने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन को जोड़ने से जैविक खाद की उपलब्धता बढ़ती है, जबकि फसल अवशेषों का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में किया जा सकता है। इसी प्रकार सिंचाई एवं जल उपलब्धता के अनुरूप खेतों में डबरी निर्माण कर मत्स्यपालन और उसके आसपास सब्जी उत्पादन जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। इस तरह एक ही कृषि इकाई से विभिन्न माध्यमों से आय

अर्जित करने की संभावनाएं विकसित होती हैं।

स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तैयार हों आजीविका के मॉडल

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि बस्तर संभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए स्थानीय जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कृषि आधारित आजीविका मॉडल विकसित करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, कृषि यंत्रों का उपयोग, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण तथा बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए भी उपयोगी मॉडल तैयार किए जा सकते हैं। इससे सीमित भूमि वाले किसान अपनी उपलब्ध जमीन का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। वहीं ग्रामीण परिवारों को कृषि के साथ अन्य गतिविधियों से आमदनी प्राप्त होने पर आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICAISRI-2026 का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 24 अक्टूबर 2026 को ‘कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत विकास एवं ग्रामीण नवाचार’ (AI, Sustainability for Rural Innovation) विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ICAISRI-2026 का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन को छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर द्वारा प्रायोजित किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता सतत विकास एवं ग्रामीण नवाचार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की चुनौतियों के समाधान हेतु नवीन उपायों की खोज करना तथा विकास की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना था। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, छत्तीसगढ़ के निदेशक प्रो. (डॉ.) एन. वी. रमणा राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री शुभम अग्रवाल ने सम्मेलन के संरक्षक (पैट्रन) की भूमिका निभाई। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंधन



प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं तथा प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने सहभागिता की। सम्मेलन के दौरान प्रो. (डॉ.) आशा अम्बियाकर ने सम्मेलन के उद्देश्यों, प्रमुख विषयगत क्षेत्रों, शोध के विभिन्न आयामों तथा इसकी प्रासंगिकता पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा सतत विकास को बढ़ावा देने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और उभरती प्रौद्योगिकियों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला।

डॉ. तनुश्री चटर्जी ने रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की शैक्षणिक गतिविधियों, संस्थागत उपलब्धियों तथा शिक्षा, अनुसंधान

एवं नवाचार के क्षेत्र में संस्थान के योगदान का परिचय दिया। उन्होंने तकनीकी शिक्षा को सामाजिक आवश्यकताओं से जोड़ने तथा विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को नवाचार-आधारित अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया।

मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एन. वी. रमणा राव ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास और सतत भविष्य के निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों का प्रभावी उपयोग कृषि पद्धतियों में सुधार, जल संसाधनों के प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

शालीमार एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी-3 स्लीपर कोच की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029



शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच एवं 01 अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है।

अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में दिनांक 28 अक्टूबर 2026 से 01 नवम्बर 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में दिनांक 30 अक्टूबर 2026 से 03 नवम्बर 2026 तक उपलब्ध

रहेगी।

इसी प्रकार अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में दिनांक 02 नवम्बर 2026 से 04 नवम्बर 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में दिनांक 04 नवम्बर 2026 से 06 नवम्बर 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर राष्ट्रीय कार्यशाला

भिलाई (विश्व परिवार)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के विभिन्न आयामों उसके प्रभावी क्रियान्वयन तथा उच्च शिक्षा में नवाचार की संभावनाओं पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन 25, 26 एवं 27 दिसंबर को किया जा रहा है। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति आइ.पी. मिश्रा ने कार्यशाला की पूर्व तैयारी के लिए आयोजित बैठक में कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करना, विभिन्न ज्ञान-विषयों के मध्य समन्वय स्थापित करना, अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति को विकसित करना तथा विद्यार्थियों में रचनात्मक चिंतन,



कौशल, उद्यमशीलता एवं समग्र व्यक्तित्व विकास की संभावनाओं को देना चाहते हैं कि लोकतंत्र में विरोध ओमप्रकाश शर्मा ने कार्यकर्ता विकास वर्ग के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश भर के 300 कार्यकर्ता इस तीन दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ संजय स्वामी ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श करते हुए सिलसिलेवार मार्गदर्शन दिया।

पर सारगर्भित चर्चा कर बेहतर कार्य करना है विकास वर्ग में विभिन्न पहलुओं पर विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा ही साथ ही सबके सुझाव,अनुभव से ठोस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे उन्होंने शिक्षा के लिए विकसित जिला की योजना बना कर कार्य करने को कहा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने कार्यकर्ता विकास वर्ग के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश भर के 300 कार्यकर्ता इस तीन दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ संजय स्वामी ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श करते हुए सिलसिलेवार मार्गदर्शन दिया।

रायपुर की बेटी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सुगंधा जैन ने WII देहरादून में दी POSH पर मैडेट ट्रेनिंग

रायपुर/देहरादून (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में पढ़ी-बढ़ी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सुगंधा जैन ने देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में POSH पर मैडेट ट्रेनिंग दी।

संस्थान में 22 और 23 अक्टूबर को दो दिवसीय मैडेट ट्रेनिंग का आयोजन WII के एम्प्लॉईज के लिए किया गया था।

इस सत्र की सबसे खास बात इसका इंटरैक्टिव होना रहा। यह अब तक का सबसे ज्यादा इंटरैक्टिव सेशन बताया जा रहा है, जहाँ WII के एम्प्लॉईज खुलकर अपनी बात रख पाए, अपने सवाल पूछ पाए और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पा सके।

एडवोकेट सुगंधा जैन ने POSH Act 2013, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा, इंटरनल कमेटी के गठन और उसकी कार्यप्रणाली, शिकायत करने की



प्रक्रिया और शिकायतकर्ता के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नेहा, अभिजीत,राहुल देश में रह रहें आतंकवादी है : शालिनी वर्मा

■ जैसे छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त हुआ है वैसे ही अब आने वाले कुछ वर्षों में इन दिमागी नक्सलियों को भी समाप्त करेंगे : शालिनी वर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), रायपुर महानगर द्वारा ‘अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ’ आह्वान के अंतर्गत सप्ते मैदान से जनसंपर्क कार्यालय तक विद्यार्थी हुंकार प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन में अभाविप की पूर्व राष्ट्रीय मंत्री एवं केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य कु. शालिनी वर्मा तथा छत्तीसगढ़ प्रांत मंत्री श्री अनंत सोनी सहित 3000 से अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रदर्शन में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विद्यार्थियों ने रैली निकालकर



‘अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ’ का संदेश दिया। रैली के माध्यम से आह्वान किया गया कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था संविधान, कानून और जनता के मताधिकार पर आधारित है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं को दबाव में लाने तथा अराजकता के माध्यम से राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति करने के प्रयास स्वीकार्य नहीं हैं। निर्वाचन प्रक्रिया अथवा किसी भी संवैधानिक व्यवस्था से संबंधित शिकायतों का समाधान संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए।

अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य कु. शालिनी वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की वीरभूमि से हम स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि लोकतंत्र में विरोध करना सबका अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता, भ्रामक प्रचार और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास फैलाना स्वीकार्य नहीं है। हथशस्त्र, स्फुरक और संविधान जैसे गंभीर मुद्दों की आड़ में यदि देशविरोधी विचारों का महिमा मंडन किया जाएगा, तो देश का युवा इसका वैचारिक जवाब देगा। संविधान बचाने का नारा लगाने वालों से कहना चाहती हूँ कि पहले संविधान को

पढ़िए और उसकी मर्यादा का पालन कीजिए। छत्तीसगढ़ की धरती से नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई के साथ अब वैचारिक अराजकता का भी लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करने का संकल्प लेते हैं। हम राष्ट्र निर्माण की विचारधारा के साथ खड़े हैं और हमारा स्पष्ट संदेश है। विरोध का अधिकार सबको है, लेकिन राष्ट्रहित, लोकतंत्र और संवैधानिक मर्यादाओं से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं होगा।

अभाविप के प्रदेश मंत्री अनंत सोनी ने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का सपना देखने वालों को देश की युवा शक्ति मुँहतोड़ जवाब देगी। तिरंगे को हाथ में लेकर राष्ट्रहित का दिखावा करने से कोई राष्ट्रभक्त नहीं बन जाता , राष्ट्र के प्रति निष्ठा विचारों और आचरण से सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की स्वतंत्रता का अर्थ देश में अराजकता फैलाने की छूट नहीं है। यदि कोई संगठन या व्यक्ति राष्ट्रविरोधी

गतिविधियों का समर्थन करता है, तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। राष्ट्रीय प्रतीकों का राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने वालों को यह समझना होगा कि भारत की जनता अपने राष्ट्र, संविधान और तिरंगे के सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगी। अनंत सोनी ने स्पष्ट कहा कि भारत को अस्थिर करने और युवाओं को भ्रमित करने की संवैधानिक मर्यादाओं से खिलवाड़ किसी भी प्रकार के प्रहार का लोकतांत्रिक तथा संवैधानिक तरीके से कड़ा प्रतिकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। अभाविप का मानना है कि भारत का लोकतंत्र जनता के विश्वास, मताधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर आधारित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक एवं वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनका समाधान संवैधानिक मर्यादाओं के अंतर्गत ही होना चाहिए।

NTPC नवा रायपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का शुभारंभ



नवा रायपुर (विश्व परिवार)। NTPC नवा रायपुर में 26 अक्टूबर, 2026 को सतर्कता प्रतिज्ञा दिलाने के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का शुभारंभ हुआ। जहाँ WR-IIHQ कार्यालय में श्री बिद्या नंद झा, ED (OS-R&M) और श्री दीपु ए. GM (USSC-C&M) ने क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में प्रतिज्ञा दिलाई; वहीं CBD बिल्डिंग कार्यालय में श्रीमती संगीता दाश, GM (P&S) और श्री पलाथोटी

सुब्बाराजू, GM (USSC - C&M) ने क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में प्रतिज्ञा दिलाई। इससे पहले, श्री के धिनेश, AGM (Vigilance) ने इस सप्ताह के महत्व और कर्मचारियों तथा उच्च प्रबंध के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए अगले एक सप्ताह में आयोजित की जाने वाली प्रस्तावित गतिविधियों के बारे में बताया। इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम है: सत्यनिष्ठासे समृद्धि।

बालक-बालिका तीरंदाजी चैंपियनशिप 2026 का ऐतिहासिक जीत के साथ समापन



राजकुमार कॉलेज रायपुर बना ओवरऑल चैंपियन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजकुमार कॉलेज, रायपुर में चार दिवसीय ऑल इंडिया IPSC तीरंदाजी चैंपियनशिप 2026 का आज भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। इस चैंपियनशिप में 11 स्कूलों के 176 तीरंदाजों ने भाग लिया, जिनमें 121 बालक और 55 बालिकाएँ शामिल थीं, जिन्होंने अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक और बालिका वर्गों में प्रतिस्पर्धा की। ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफीबालक वर्ग (-14, 17 और 19 संयुक्त) में प्रथम स्थान - चैंपियन: राजकुमार कॉलेज, रायपुर - 211 अंक, द्वितीय: बिरला पब्लिक स्कूल, पिलानी - 147 अंक और तृतीय: हैदराबाद पब्लिक स्कूल, रमान्यापुर - 70 अंक रहे 7 बालिका वर्ग (-14, 17 और 19 संयुक्त) में प्रथम स्थान- चैंपियन: राजकुमार कॉलेज, रायपुर - 299 अंक, द्वितीय: डे लॉरेंस स्कूल, लवडेल - 145 अंक और तृतीय: यादवद्वि पब्लिक स्कूल, पटियाला - 73 अंक रहे। राजकुमार कॉलेज, रायपुर का प्रतिनिधित्व 61 तीरंदाजों ने किया, जिनमें 35 बालक और 26 बालिकाएँ शामिल थीं, जिन्होंने असाधारण प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया। मेजबान टीम ने कुल 109 पदक जीते, जिनमें 46 स्वर्ण पदक, 35 रजत पदक और 28 कांस्य पदक शामिल हैं। इनमें से बालकों ने 47 पदक जीते, जबकि बालिकाओं ने 62 पदक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया, जोतीरंदाजी

कार्यक्रम में प्रतिभा और समर्पण की गहराई को दर्शाता है। इसी के साथ राजकुमार कॉलेज के 27 विद्यार्थियों (13 बालक और 14 बालिकाओं) ने 70वीं नेशनल स्कूल गेम्स 2026 के लिए क्वालीफाई किया है।



कार्यक्रम में प्रतिभा और समर्पण की गहराई को दर्शाता है। इसी के साथ राजकुमार कॉलेज के 27 विद्यार्थियों (13 बालक और 14 बालिकाओं) ने 70वीं नेशनल स्कूल गेम्स 2026 के लिए क्वालीफाई किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1) संतोषी नगर, खमतवाड़ पानी टंकी, रायपुर E-mail ID - rmczone1@gmail.com
फ़ क्र./36415/ न.प्र.नि./जोन क्र.-1/2026 रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इशतिहार नामांतरण प्र.क्र. 36415 वार्ड का नाम- 4 वडीयन लाल वार्ड एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉजेंट आई.डी. RPR104A0399H जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BHARAT BHAI PATEL पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O ARJUN BHAI PATEL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SACHIN KUMAR GUPTA पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O SURENDRA KUMAR GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/स्थान उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि परसतत प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय निम्नोदर नहीं होगा। -सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा (जोन का निष्पन्न) जोन क्रमांक- (1) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.प्र.)

